वार्तालाप नं.470, कलकत्ता-2, दिनांक 25.12.07
Disc.CD No.470, dated 25.12.07 at Calcutta, Part-2

समयः 01.10-04.36

जिज्ञासुः - 234 नं. की कैसेट वार्तालाप में बोला है कि आज के समय में कोई भी कन्या को पुरूष के आधीन में रहना चाहिए।

बाबा - पुरूष के आधीन में रहे, माता के आधीन रहे। माना अगर तलवार है, कन्या है तो उसको कम से कम कोई ढ़ाल के आधीन में रहना ही चाहिए। ऐसे नहीं कि स्वंतत्र रहे।

जिज्ञासु - पुरूष को दुर्योधन-दु:शासन कहा गया है।

बाबा - हमने कहाँ कहा कि पुरूष के ही आधीन में ही रहना चाहिए, हमने कहा क्या?

जिज्ञासु- कन्या अगर किसी एक पुरूष के आधीन न रहे तो दुनियाँ उसको वैश्या बना देगा वो पुरूषों के संग में आ जायेगा। इसलिए उसको एक पुरूष के अण्डर में रहना चाहिए।

Time: 01.10-04.36

Student: It has been said in the Discussion Cassette no.234 that in the present time a virgin (*kanya*) should remain under the control of a man.

Baba: She may remain under the control of a man, she may remain under the control of a mother, i.e. if she is a sword, if she is a virgin, she should remain at least under the protection of a shield (*dhaal*). It should not happen that she remains independent.

Student: Men have been said to be Duryodhans and Dushasans.

Baba: When did I say that she should remain only under the control of men?

Student: (It has been said that) If a virgin does not remain under the control of a man, then the world will make her a prostitute. She will be influenced by the company of men. This is why she should remain under the control of one man.

बाबा- मूल प्वाइन्ट निकलता हैं इस वाक्य से कि कन्या को या माँ-बाप के पास रहना है या तो पति के पास रहना है। आज की इस भ्रष्ट दुनियाँ में कन्याओं का कोई भी दोस्त नहीं है इनके अलावा। सब दुश्मन बन पड़ते हैं। बाप बच्ची को गंदा करता है। बोला कि नहीं महावाक्य में? भाई बहन को गंदा करता है, जीजा साली को गंदा करता है, चाचा भतीजी को गंदा करता है। माना कोई पुरूष तन जो है कन्या को छोड़ता ही नहीं है सब कन्याओं के दुश्मन बन पड़ते है। ये मुरली में बोला है या नहीं बोला हैं? बोला है। इस आधार पर बोला।

Baba: The main point that comes out from this sentence is that a *kanya* should either live with her parents or with her husband. In today's unrighteous world except these people nobody is a friend of *kanya*. Everyone becomes an enemy. A father makes his daughter dirty – has it not been said so in the Murlis? A brother makes his sister dirty, a brother-in-law makes his sister-in-law dirty, a paternal uncle makes his niece dirty. It means that no male body leaves a *kanya* alone; everyone becomes an enemy of the *kanyas*. Has it been said in the Murli or not? It has been said. It was said on this basis. (The student said something).

जिज्ञासु - बाबा, 240 कैसेट ..... में सुना कि कन्या सबसे ज्यादा स्वतंत्र रह सकती है । जहाँ चाहे जा सकती है। वो कैसे बाबा ?

बाबा – क्या ऐसी कन्यायें नहीं है आज दुनियाँ में जो किसी पुरूष के कन्ट्रोल में नहीं है? ऐसी भी कन्यायें दुनियाँ में देख रहे हैं कि नहीं जो किसी पुरूष के कन्ट्रोल में नहीं है और अपने लौकिक माँ-बाप के भी कन्ट्रोल में नहीं है। क्योंकि मुरली में बोला है लौकिक संबंधियों से न ही कुछ पूछना हैं और न उनकी मत पर चलना है।

जिज्ञासु- जो इधर-उधर घूमती हैं उसे सुर्पनखा कहते हैं।

बाबा- बाहर की दुनियाँ में अगर घूमती है तो वो इस लिस्ट में नहीं हो सकती जो लिस्ट अभी बताई गई। हाँ, बाप अगर उनको परमिशन दे दे कि तुम में वो औकात है फिर तुम बाहर की दुनियाँ में जाके अकेले सर्विस कर सकती हो। तो दूसरी बात है।

जिज्ञासु- पर अभी की दुनिया बहुत इनसेक्यूर है बाबा ।

बाबा – हाँ जी।

Student: I have heard in cassette no. 240 that a *kanya* can become the most independent. She can go wherever she wishes. How is that [possible] Baba?
Baba: Are there not such *kanyas* in today's world who are not in any man's control? Are we not seeing such *kanyas* in the world who are not in any man's control and are not in the control of their *lokik* parents as well? Because it has been said in the Murlis that we should neither consult the *lokik* relatives nor follow their opinion.
Student: The one who wanders is called Surpankha.
Baba: If she roams in the outside world, then she cannot be included in the list that has been mentioned just now. Yes, if the Father gives her permission, 'you have the capacity to go and serve alone in the outside world, then it is a different thing'.
Student: But today's world is very insecure Baba?
Baba: Yes.

समयः 23.24-28.10

जिज्ञासुः-आज की मुरली में बोला कृष्ण वाली आत्मा राम के अंदर प्रवेश करती है उसी तरह देवात्माओं के अंदर आसुरी स्वभाव की आत्मा प्रवेश उनमें करते है जो अच्छे से योग नहीं करते। तो उल्टा-सीधा काम सारा कौन करते हैं वो प्रवेश करने वाली आत्मा करती है या हम लोग ब्राह्मण के अंदर करते हैं?

बाबा- आज की दुनियाँ में जो भी प्रवेश करने वाली आत्मायें हैं वो सूक्ष्म शरीरधारी आत्मायें है या आत्मिक स्टेज को सीधा धारण करने वाली आत्मायें है?

जिज्ञासु – सूक्ष्म शरीरधारी आत्मा।

Time: 23.24-28.10
Student: It was said in today's Murli that the soul of Krishna enters (the body of) Ram; similarly, the souls with demoniac nature enter (the bodies of) those deity souls, who do not do yog properly. So, who performs the opposite actions; do the souls which enter perform such acts or do we Brahmins perform?

Baba: In today's world, are the souls which enter, subtle bodied souls or are they souls which assume a soul conscious stage directly?
Student: They are subtle bodied souls.

बाबा – और सूक्ष्म शरीर जो धारण करती है आत्मायें जिनके पापकर्म रह जाते हैं वो सूक्ष्म शरीर से काम करते हैं या जो महापापी के लिस्ट में नहीं आती हैं वो कही जाती हैं?
जिज्ञासु- जो महापापी के लिस्ट में नहीं आती वो सूक्ष्म शरीर धारण करती हैं।
बाबा – वो सूक्ष्म शरीर धारण करते हैं? नियम ये है- जो बहुत पाप करने के आदी होते हैं उन आत्माओं के ऊपर पाप का बोझ जास्ती न चढ़ जाये इसलिए उनको बीच में ही शरीर छोड़ना पड़ता है। अकाले मौत होती है। और जिनकी अकाले मौत होती है वो सूक्ष्म शरीर धारण करते हैं और सूक्ष्म शरीर धारण करके दूसरे के शरीर में प्रवेश करते हैं। तो शरीर से पाप पुण्य बनता है या सिर्फ आत्मा से पाप पुण्य बनता है? शरीर से पाप पुण्य बनता है। तो शरीर प्रवेश करने वाली आत्मा का है या जिस शरीर में प्रवेश हुआ है उस आत्मा का शरीर है? शरीर किसका है?
जिज्ञासु- जिसमें प्रवेश करते हैं।
Baba: And do the souls which take on subtle bodies…, do those souls whose sins remain to be burnt work through subtle body or are they the ones who are not included in the list of the most sinful ones?
Student: Those who are not included in the list of most sinful ones take on a subtle body.
Baba: Do they take on a subtle body? The rule is: those who are more habituated to committing a lot of sins have to leave the body in between so that they do not accumulate more burdens of sins. They meet an untimely death and those who meet an untimely death take on a subtle body and after taking a subtle body they enter the body of others. So, does someone accumulate charity and sins through the body or just through the soul? The charity and sins are accumulated through the body. So, does the body belong to the soul which enters or to the soul in whose body it has entered? Whose body is it?
Student: Of the soul in whose body it enters.

बाबा -जिसमें प्रवेश हुई आत्मा सूक्ष्म शरीरधारी उसका अपना शरीर है। तो जिसका अपना शरीर है उस आत्मा को, अपने शरीर को, अपने रथ को अपने कन्ट्रोल में रखना चाहिए या रथ को दूसरे के कन्ट्रोल में दे देना चाहिए? अपने कन्ट्रोल में रखना उसका फर्ज़ है लेकिन दूसरे ने आकर के उस रथ को कन्ट्रोल कर लिया और अपने तरीके से चलाया तो गलती किसकी हुई? मूल गलती किसकी मानी जायेगी? रथी की गलती मानी जायेगी या जिसने रथ के ऊपर कन्ट्रोल कर लिया उसकी गलती मानी जायेगी? जो उस रथ का मालिक हैं वो उस रथ के मालिक बनने योग्य नहीं हैं इसलिए उसकी गलती है।
Baba: The body belongs to the soul in which the subtle-bodied soul has entered. So, should the soul to whom the body belongs, keep its body, its chariot under its control or should it let it go under the control of someone else? It is its duty to keep it under its control, but another soul came and took that chariot under its control and made it act according to its wishes, so whose mistake is it? Whose mistake is it originally? Will it be considered to be the mistake of

the soul to whom the chariot belongs or is it the mistake of the soul which has taken the chariot under its control? The owner of the chariot is not worthy of becoming its owner, this is why it is his mistake.

जिज्ञासु – बाबा इतना ज्ञान सुनने के बजाए भी ऐसे-2 कोई होता हैं जो भट्ठी कर के भी आता है।
बाबा - वो भट्ठी में इतना ज्ञान थोड़े ही सुन लेते हैं। भट्ठी करने मे कोई तो बहुत ज्यादा ध्यान देते हैं, बहुत नियमों का पालन करते हैं, बहुत पवित्र रहते हैं। दृष्टि से भी पवित्र रहते है। भट्ठी करते समय इतना भी ध्यान रखते हैं कि कहीं कन्या-माताओं में दृष्टि न उलझ जाये। हमारा कोई वायब्रेशन कोई गंदा न हो जाये जिससे ज्ञान सुन रहे हैं। इतना तक ध्यान रखते हैं वो ज्यादा धारणा करेंगे या जो इन बातों का ध्यान नहीं देते कि भट्ठी के क्या नियम हैं, उनको ज्यादा धारणा हो जायेगी? भट्ठी के भी नियम होते हैं ना। पहला नियम क्या है? भट्ठी का पहला नियम क्या हैं? पहला नियम हैं मन-वचन-कर्म से पवित्र रहना। ये फाउन्डेशन का टाईम हैं। सात दिन के फाउन्डेशन के टाईम में अपना-2 याद करें कि हमारी वृत्ति कैसी थी? ब्रहमाकुमारी से या ब्रहमाकुमार से जब हमने ज्ञान सुना संदेश लिया या भट्ठी की तो उसमें हमारी वृत्ति क्या थी फाउन्डेशन पिरियड में। गंदी वृत्ति तो नहीं थी? अगर उस फाउन्डेशन पिरियड में ही गंदी वृत्ति थी तो असुर बनेगा या देवता बनेगा? असुर बनेगा।
Student: Baba, despite listening to so much knowledge, there are some who undergo bhatti as well.
Baba: They do not listen to so much knowledge in the *bhatti*. Some pay a lot of attention during *bhatti*, they follow the rules meticulously, they remain very pure. They remain pure through the vision as well. While doing *bhatti*, they pay so much attention that their eyes should not be entangled in *kanyas* and mothers. They take care that their vibrations should not become dirty towards the person from whom they are listening to knowledge. Will those who pay attention to such an extent inculcate (knowledge) more or do those who do not care for these things what the rules of *bhatti* are, inculcate more? There are rules of *bhatti* as well, aren't there? What is the first rule? What is the first rule of *bhatti*? The first rule is to remain pure through mind, words and actions. This is the foundation time. We should recollect how our vibrations during the seven days foundation time were. When we heard knowledge, got message from the Brahmakumari or Brahma kumar or when we underwent *bhatti*, how were our vibrations? Were the vibrations dirty during the foundation period? If the vibrations were dirty during that foundation period itself, then will he become a demon or a deity? He will become a demon.

समयः 43.03-43.30
जिज्ञासुः- बाबा मुरली का प्वाइन्ट है बाबा ने बोला हैं विनाश के टाईम पे एक-2 आत्मा में चौदह-2 आत्मा प्रवेश करेगी। तो क्या हम ब्राह्मणों बच्चों की ही बात हैं?
बाबा- पहले हर बात ब्राह्मणों से शुरू होती हैं दुनियाँ की। दुनियाँ में जो भी कर्म हो रहे हैं उन कर्मों के लिए जिम्मेवार कौन? पहले तो ब्राह्मण।

Time: 43.03-43.30
Student: Baba, there is a Murli point, Baba has said that at the time of destruction, about fourteen souls will enter (the bodies of) every soul. So, is it about us Brahmin children only?
Baba: Everything in the world begins with the Brahmins first. Who is responsible for all the actions that are being performed in the world? First it is the Brahmins.

समयः 43.35-45.45

जिज्ञासुः- जो स्त्री चोला है अभी रूद्रमाला के मणके में उनका शरीर रिज्युनेट होगा कि नहीं? चेन्ज होगा कि नहीं?

बाबा- क्यों नहीं रिज्युनेट होगा? उनके संकल्प नहीं चलते हैं? उन्होंने जो एडवान्स ज्ञान लिया है उस एडवान्स ज्ञान की धारणा के अनुसार उनके ये संकल्प नहीं है क्या कि हम इस शरीर से ही अपने शरीर को कंचनकाया बनायेंगे? इस शरीर से ऐसा पुरूषार्थ करें जो हमारा शरीर जीवन के रहते-2 ही कंचनकाया बने। उनके अंदर ये धारणा नहीं है? जो भी स्त्री चोले है रूद्रमाला में उनके अंदर भी ये धारणा पक्की हैं, वो उनका विश्वास है। विश्वासम् फल दायकम्। ये श्रद्धा विश्वास पक्का है कि हम जीवन रहते हुए ही प्राप्ति करें, शरीर को कंचन बनायें। तो खुदा-न-खास्ता अगर उनका शरीर छूट भी जाता हैं तो वो अगला जन्म लेंगे या नहीं लेंगे? लेंगे। और अगले शरीर से, अगले जन्म में वो ऐसा पुरूषार्थ करेंगे जिससे उनकी कंचनकाया बनेगी जरूर। तो पुरूष चोला लेंगे या स्त्री चोला लेंगे? पुरूष चोला लेंगे।

Time: 43.35-45.45
Student: Will the bodies of the souls with female bodies among the beads of *Rudramala* be rejuvenated or not? Will they change or not?
Baba: Why will they not be rejuvenated? Do they not have thoughts? According to the practice of the advance knowledge that they have obtained, don't they think that they will make their body *kanchankaya* through the same body? Don't they have this thought in their mind? All the females within the *Rudramala* also have this firm thought, firm faith. *Vishwaasam fal daayakam* (faith gives fruits). They have this firm devotion and faith that we should make attainments; we should make the body *kanchan* while being alive. So, even if by chance they leave their body, will they take the next birth or not? They will. And through the next body, in the next birth, they will make such spiritual efforts that they will certainly achieve *kanchankaya*. So, will they take a male birth or a female birth? They will take a male birth.

जिज्ञासु – उस कैसेट में बोला है कि वो लोग चोला चेन्ज नहीं करेंगे।

बाबा- अगर चोला चेन्ज नहीं करेंगे तो आज की दुनियाँ में बहुत से ऐसे उदाहरण हैं जिनकी पुरूष वृत्ति बन जाती हैं, वायब्रेशन जिनके पुरूषों जैसे बन जाते हैं, स्वभाव संस्कार पुरूषों जैसे बन जाते हैं तो उनका शरीर भी।

जिज्ञासु – पुरूष बन जाते हैं।

बाबा –हाँ, कनवर्ट हो जाता हैं। पुरूष से स्त्री बन जाते हैं, स्त्री से पुरूष बन जाते हैं ये भी कोई बड़ी बात नहीं हैं। और महाभारत में इसका मिसाल भी आया हुआ हैं। क्या मिसाल आया? शिखंडी का। छोटी-2 कन्याओं के द्वारा बड़े-2 धर्मगुरूओं को बाण मारेंगे।

Student: It has been said in that cassette that those people will not change their body.
Baba: If they do not change their body, then there are many such examples in today's world that those who develop a male attitude, those who develop male vibrations, those who develop male nature and *sanskars*, then their body also….
Student: becomes male.
Baba: Yes, it transforms. They change from male to female, from female to male. This is not a big thing. And its example has been mentioned in Mahabharata as well. What is the example? Shikhandi's example is mentioned. Arrows will be shot at the big religious gurus through small *kanyas* (virgins).

समयः 58.28-01.01.45

जिज्ञासुः- कोई भी स्त्री पुरूष हो वो दो जन्म ले सकते हैं?

बाबा – कोई भी स्त्री या कोई भी पुरूष लगातर दो जन्म समलिंग में जन्म ले सकता हैं। स्त्री दो जन्म स्त्री बन सकती है और पुरूष दो जन्म पुरूष बन सकता है। ठीक है।

जिज्ञासु – राम वाली आत्मा के 5-7 जन्म क्लीयर हो रहे हैं तो ये सारे केवल पुरूष का ही क्लीयर हो रहे हैं?

बाबा –हाँ, तो क्या बड़ी बात हो गई?

जिज्ञासु – स्त्री के बारे में तो एक भी क्लीयर नहीं हुआ?

बाबा – पहले पॉवरफुल जन्म ज्यादा क्लीयर होंगे या कमजोर जन्म पहले क्लीयर होगा? जो पॉवरफुल जन्म हैं वो पहले क्लीयर होने चाहिए।

Time: 58.28-01.01.45
Student: Can any female or male take two [consecutive] births (as females or males)?
Baba: A female or a male can take two consecutive births in the same gender. A female can become female for two (consecutive) births and a male can become male for two (consecutive) births. That is correct.
Student: 5-7 births of the soul of Ram are becoming clear, but all these are only male births.
Baba: Yes, so what is the big deal?
Student: None of his female births have been clarified.
Baba: Will the powerful births become clear or will the weak births become clear? The powerful births should become clear first.

जिज्ञासु - तो क्या स्त्रियाँ पॉवरफुल नहीं होती?

बाबा - होती हैं। होती हैं लेकिन वही स्त्रियाँ पॉवरफुल कही जायेंगी जिनमें वो स्वभाव संस्कार राजाई के ज्यादा हो। राजयोग के संस्कार जिनमें ज्यादा होंगे वो स्त्रियाँ भी संसार में प्रत्यक्ष होती हैं। शक्ति किससे मिलती हैं? ज्ञान से शक्ति मिलती हैं या योग से शक्ति मिलती हैं? योगबल से शक्ति मिलती हैं। संगमयुगी ब्राह्मणों की दुनियाँ में जिसमें जितना जास्ती योगबल होगा। इससे साबित होता हैं कि जिसमें योगबल जास्ती होगा उसमे पहचान भी जास्ती होगी। अरे, बाप की पहचान होगी या नहीं होगी उसमें? तो जिसने बाप को जितना जास्ती पहचाना होगा वो उतना ही ज्यादा योगी भी होगा और जितना ज्यादा योगी होगा

उतना बड़ा राजा भी बनेगा। और रानी बनना ये आधीनता की निशानी हैं या स्वाधीन बनने वाले राजा की निशानी हैं?

जिज्ञासु – आधीनता की निशानी हैं।

Student: So, are the women not powerful?
Baba: They are. They are, but only those women will be said to be powerful, who have more nature and *sanskars* of kingship. Those women who have more *sanskars* of *rajyog* are also revealed in the world. Where do they get the power? Do they get the power through knowledge or through *yog*? They get power through *yog*. In the Confluence Age world of Brahmins, the more someone has power of *yog*…, it proves that the one who has more power of *yog*, will recognize (the Father) more. Arey, will he recognize the Father or not? So, the more someone has recognized the Father, he will be more *yogi* and the more *yogi* someone is, the bigger king he will become. And becoming a queen is an indication of subordination or of an independent king?
Student: It is an indication of subordination.

बाबा – फिर भी मान लो झाँसी की रानी का जन्म हो गया, हैं ही स्त्री चोला है कि नहीं? तो उस स्त्री चोले का जो जन्म मिला हैं वो ब्राह्मणों की संगमयुगी दुनियाँ में ऐसा पुरूषार्थ किया हैं जिससे स्त्री चोले का जन्म मिला हैं या द्वापर-कलियुग में ऐसा कर्म किया हैं जिसके आधार पर राजाई की ताकत होते हुए भी स्त्री चोला मिल गया? द्वापर-कलियुग में ऐसा पुरूषार्थ किया हैं। संगमयुग में बाप जो हैं जिनको राजा बनाता है, वो रानी बनाने के लिए आया हैं या राजा बनाने के लिए आया हैं?

जिज्ञासु – राजा बनाने के लिए आया हैं।

Baba: Even so, suppose it is the birth of Queen of Jhansi, is it a female body or not? So, that soul taking a female birth has made such spiritual efforts in the Confluence Age world of Brahmins because of which it has a female birth or has it performed such actions in the Copper Age and Iron Age due to which it has a female birth despite having the power of kingship? It has made such spiritual efforts in the Copper Age and Iron Age. Does the Father come to make us kings or queens in the Confluence Age?
Student: He has come to make us kings.

बाबा - झाँसी की रानी भले रानी बने फिर भी बच्चा पैदा करेगी कि नहीं?

जिज्ञासु- करेगी।

बाबा – तो कोई सवारी करेगा या ऐसे ही बच्चा पैदा करेगी?

जिज्ञासु- कोई सवारी करेगा।

बाबा – तो फिर कौन बड़ा हो गया? कौन पॉवरफुल हो गया? उस समय तो पुरूष ही पॉवरफुल हो गया।

Baba: The Queen of Jhansi may be a queen but will she give birth to a child or not?
Student: She will.
Baba: So, will someone ride on her or will she simply give birth?
Student: Someone will ride (on her).

Baba: So, who is greater? Who is more powerful? At that time the male (i.e. her husband) himself was powerful.

समयः 01.01.50-01.08.18

जिज्ञासु - प्रशांत महासागर का बेहद का अर्थ क्या हैं?

बाबा - सागर हैं सात। कितने सागर माने जाते हैं? सात। और महाद्वीप। महाद्वीप कितने हैं? वो भी सात ही हैं। सागरों में सबसे बड़े सागर का नाम हैं प्रशांत महासागर। 'प्र' माना प्रकष्ठ रूप से और 'शांत' माना शांत रहने वाला सागर। क्या? सागर हैं, ज्ञान का सागर तो है लेकिन उस ज्ञान सागर में सबसे बड़ी स्टेज क्या हैं? शांत रहने की। और शांत जो उथला होगा माना गहरा कम होगा वो ज्यादा शांत रहेगा या जो ज्यादा गहरा होगा वो ज्यादा शांत रहेगा? जो ज्यादा गहरा होगा वो ज्यादा शांत होगा। इसलिए प्रशांत महासागर जो है वो सागर है या पृथ्वी कही जाती है? सागर ज्ञान सागर बाप कहा जाता हैं या महाद्वीप पृथ्वी का अंश माता कहा जाता है या पिता कहा जाता हैं? पृथ्वी का द्वीप। पृथ्वी का कोई बड़ा हिस्सा है जो महाद्वीप कहा जाता है वो माँ है या बाप है?

जिज्ञासु – बाप है।

Time: 01.01.50-01.08.18

Student: What is meant by *Prashaant Mahasagar* (Pacific Ocean) in an unlimited sense?

Baba: There are seven oceans. How many oceans are there believed to be? Seven. And continents? How many continents there are ? They are also seven. The name of the biggest ocean is the Pacific ocean (*Prashaant Mahasagar*). *Pra* means *prakashth roop se* (in best way) and *shaant* means 'the ocean which remains calm'. What? He is an ocean; He is no doubt an ocean of knowledge, but what is the highest stage of that ocean of knowledge? The stage of remaining calm. And will the one who is shallow be calmer or will the one who is deep be calmer? The one who is deeper will be calmer. This is why, is the Pacific Ocean an ocean or is it called the Earth? Is the ocean of knowledge called a father or is the part of the Earth, i.e. continent called a mother or a father? A continent on the Earth. There is a big part of the Earth which is called continent. Is it a mother or a father?

Student: It is a father.

बाबा – चल। क्या बोल रहे हो? जो द्वीप है वो धरनी का हिस्सा है। वो धरनी माता है उनमें देह अभिमान की मिट्टी ज्यादा है और सागर में ज्ञान जल ज्यादा हैं। तो जो ज्ञान जल वाले ज्यादा हैं वो है सागर उन सागरों में सबसे बड़ा सागर हैं प्रशांत महासागर। बहुत शांत रहने वाला हैं। उससे पैदा होने वाला बच्चा कौन हैं? चंद्रमा उसका बच्चा है। वो चंद्रमा बच्चा सतयुग-त्रेता में कहाँ समा जायेगा?

जिज्ञासु – प्रशांत महासागर।

बाबा – समा जायेगा। तो वो सागर है, बहुत गहरा है। धरनी ज्यादा गहरी होती है या सागर गहरा होता है? सागर गहरा होता है। तो जितने भी सागर हैं माने वो मानिंद हैं जैसे कि विधर्मि धर्मपिताओं के। छोटे-2 सागर और वो बड़ा सागर है। उसको कहा जाता हैं प्रशांत महासागर।

Baba: Come on, what are you speaking? The continent is a part of the Earth. It is Mother Earth; it has more soil of body consciousness and the ocean contains more water of knowledge. So, those which contain more water of knowledge are the oceans and among those oceans the biggest ocean is the Pacific Ocean (*prashaant mahasaagar*). It is the one that remains very calm (*shaant*). Who is the child born from him? The Moon is its child. Where will that child Moon merge in the Golden Age and Silver Age?
Student: The Pacific Ocean.
Baba: He will merge (in the Pacific Ocean). So, it is an ocean, very deep. Is the land deeper or the ocean deeper? The ocean is deep. So, all the oceans, i.e. they are man made, like the religious fathers. They are small oceans and he is a big ocean. He is called Pacific Ocean.

जिज्ञासु – बाबा ये चंद्रमा विनाश के टाईम में प्रशांत महासागर में समा जायेगा फिर ऊपर में कब जायेगा अर्धविनाश के टाईम में?
बाबा – जब विनाश होता हैं तो टकराहट होती है या नहीं होती है? टकराहट होती है और टकराहट में टुकड़े-2 होते हैं कि नहीं होते हैं? टुकड़े भी हो जाते हैं।
Student: Baba, this Moon will merge into the Pacific Ocean at the time of destruction, then when will it emerge out? Will it emerge out at the time of semi-destruction?
Baba: When destruction takes place, does collision take place or not? Collision takes place and in that collision, do pieces emerge out or not? Pieces also emerge out.

जिज्ञासु – विनाश के टाईम में सभी ग्रह टकरायेंगे तो यहाँ पर कैसे शूटिंग होगा?
बाबा – जो भी अष्टदेव हैं या जो भी अष्टग्रह हैं या जो भी अष्टरत्न हैं वो सब आपस में टकराते हैं।
जिज्ञासु- ज्ञान से टकरायेंगे?
बाब – और क्या तीर तलवार से टकराते हैं?
Student: All the planets will collide at the time of destruction; so how will the shooting take place here?
Baba: The eight deities, the eight planets, or the eight gems clash with each other.
Student: Will they clash on the basis of knowledge?
Baba: If not, do they clash with the help of arrows and swords?

जिज्ञासु – टकराहट होती है तो द्वापरयुग में होगा तो चंद्रमा निकल जायेगा कहाँ किसके साथ टकराहट होती हैं?
बाबा – आधा विनाश होता हैं तो आधी टकराहट होती हैं।
जिज्ञासु – किसके साथ?
बाबा – विधर्मियों के साथ।
जिज्ञासु- स्थूल में?
बाबा – वो हद में सारी में टकराहट होती है। जो देवत्मायें हैं जो देवत्माओं के संस्कार हैं उनके संस्कारों से किस से टकराहट होगी? आसुरी आत्माओं के साथ संस्कार की टकराहट होती हैं।

Student: When the clash takes place in the Copper Age, the Moon will come out, how and with whom does the clash take place?
Baba: When semi destruction takes place, semi-clash takes place.
Student: With whom?
Baba: With the *vidharmis* (those of the religion opposite to the Father's religion).
Student: In physical form?
Baba: That clash takes place in a limited sense between everyone. The deity souls, with the *sanskars* of deity souls, their *sanskars* will clash with whom? The clash takes place with the sanskars of the demoniac souls.

जिज्ञासु- वो तो सूक्ष्म में हैं?
बाबा –वो सूक्ष्म में क्यों? प्रैक्टिकल में अभी टकराहट नहीं होगी? बाबा ने वाणी में बोला हुआ हैं जब द्वापर शुरू होता हैं भारत में तो पहले-2 जो दूसरे धर्म की आत्माये हैं वो विरोधी हो जाती हैं। इस्लाम धर्म की जब आत्मायें होंगी तो दो खंड हो जायेंगे। धर्मखंड ही दो हो जायेंगे। राज्य खंड ही दो हो जाते हैं। उसको कहते हैं द्वापुरयुग। दो पुर क्यों कहा गया? कि दुनियाँ में दो धर्म हो गये, दो प्रकार की धारणायें हो गई। एक धारणा कहती हैं नहीं, दृष्टि का व्याभिचार नहीं होना चाहिए, कर्मेन्द्रियों का व्याभिचार नहीं होना चाहिए। और दूसरे जो भी दूसरे धर्म में कनवर्ट होने वाले हैं या दूसरे धर्म वाले हैं उनकी धारणा होती है - नहीं व्याभिचार जरूर होना चाहिए नहीं तो हम सुखी कैसे रहेंगे? वो देवताई सृष्टि को नहीं मानेंगे।
जिज्ञासु – तब से चंद्रमा निकल जाता है तब से चंद्रमा पृथ्वी से प्रशांत महासागर बन जाता हैं।
बाबा - अर्धविनाश होता है तो उसमें अलग हो जाता है।
(जिज्ञासु ने कुछ कहा)-
बाबा – हाँ जी।
Student: Does it take place in a subtle form?
Baba: Why in a subtle form? Will the clash not take place now in practical? Baba has said in a Vani that when the Copper Age starts in India, first of all the souls belonging to the other religions become opponents. When the souls of Islam come, then the land will be divided into two. There will be two religious lands. There will be division of the kingdom. That is called *Dwapuryug* (the Copper Age). Why has it been called '*do pur*'? It is because there were two religions in the world; there were two kinds of beliefs (*dharanas*)? One kind of *dharana* says, no, there should not be adultery of vision, there should not be adultery of bodily organs. And the other, who convert to other religions or those who belong to the other religions, they believe, no, there should definitely be adultery; otherwise, how will we remain happy? They will not believe in the deity world.
Student: From that time the Moon comes out. When the Moon separates from the Earth, the Pacific Ocean is created.
Baba: When the semi-destruction takes place, then it separates from it.
(Student said something.)
Baba: Yes.